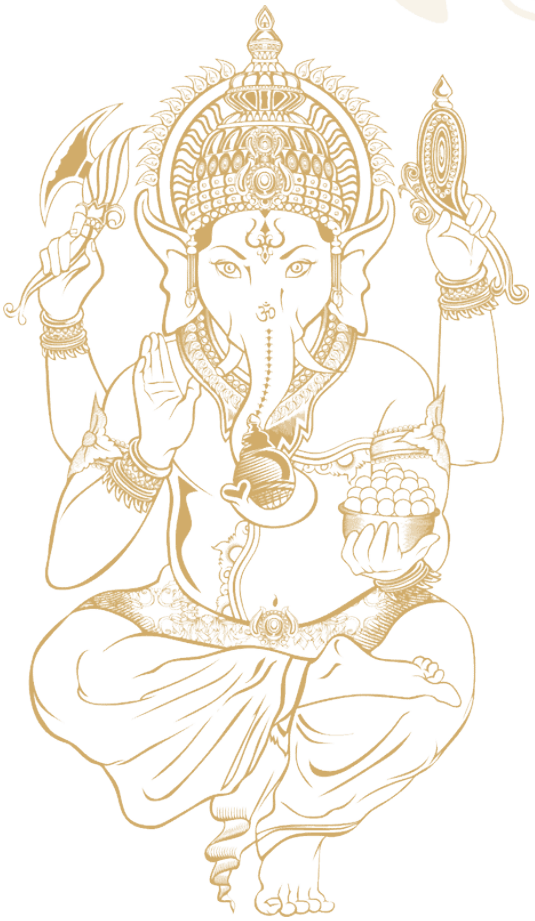

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119216604

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 23/02/1988 | जन्म तिथि | 13/03/1995 |
| मंगलवार | दिन | सोमवार |
| घंटे 07:15:00 | जन्म समय | 09:15:00 घंटे |
| घटी 00:20:57 | जन्म समय(घटी) | 06:15:57 घटी |
| India | देश | India |
| Jammu | स्थान | Jammu |
| 32:42:00 उत्तर | अक्षांश | 32:42:00 उत्तर |
| 74:52:00 पूर्व | रेखांश | 74:52:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:30:32 | स्थानिक संस्कार | -00:30:32 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 07:06:37 | सूर्योदय | 06:44:37 |
| 18:21:52 | सूर्यास्त | 18:36:16 |
| 23:41:32 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:47:35 |

| विंशोत्तरी | | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शुक्र 5वर्ष 11मा 24दि | | 11:33:50 | कुंभ | लग्न | मेष | 20:52:34 | शनि 9वर्ष 5मा 8दि | |
| राहु | | 09:58:08 | कुंभ | सूर्य | कुंभ | 28:18:28 | केतु | |
| 16/02/2017 | | 22:40:40 | मेष | चंद्र | कर्क | 10:02:32 | 20/08/2021 | |
| 16/02/2035 | | 06:44:35 | धनु | मंगल व | कर्क | 20:12:58 | 20/08/2028 | |
| राहु | 30/10/2019 | 19:00:47 | मक व | बुध | कुंभ | 03:45:43 | केतु | 16/01/2022 |
| गुरु | 25/03/2022 | 03:24:49 | मेष | गुरु | वृश्चि | 21:00:35 | शुक्र | 18/03/2023 |
| शनि | 29/01/2025 | 22:11:42 | मीन | शुक्र | मक | 18:16:21 | सूर्य | 24/07/2023 |
| बुध | 18/08/2027 | 07:01:27 | धनु | शनि | कुंभ | 22:05:18 | चन्द्र | 22/02/2024 |
| केतु | 05/09/2028 | 29:32:28 | कुंभ | राहु व | तुला | 12:46:28 | मंगल | 20/07/2024 |
| शुक्र | 05/09/2031 | 29:32:28 | सिंह | केतु व | मेष | 12:46:28 | राहु | 08/08/2025 |
| सूर्य | 30/07/2032 | 06:36:40 | धनु | हर्ष | मक | 05:32:16 | गुरु | 15/07/2026 |
| चन्द्र | 29/01/2034 | 15:52:02 | धनु | नेप | मक | 01:11:31 | शनि | 24/08/2027 |
| मंगल | 16/02/2035 | 18:52:15 | तुला व | प्लूटो व | वृश्चि | 06:47:18 | बुध | 20/08/2028 |

## लग्न-चलित

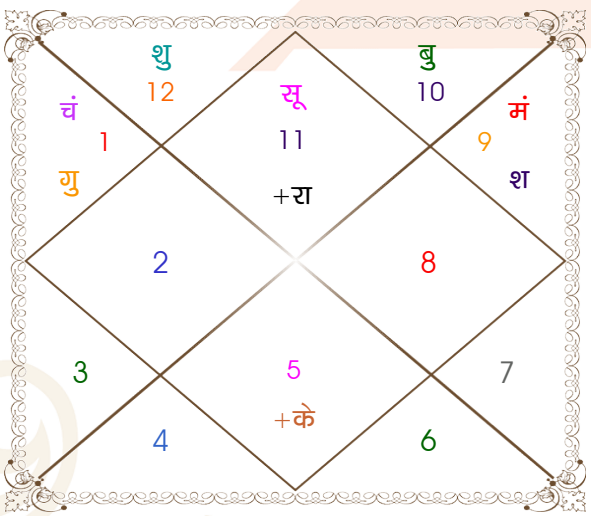


## लग्न-चलित

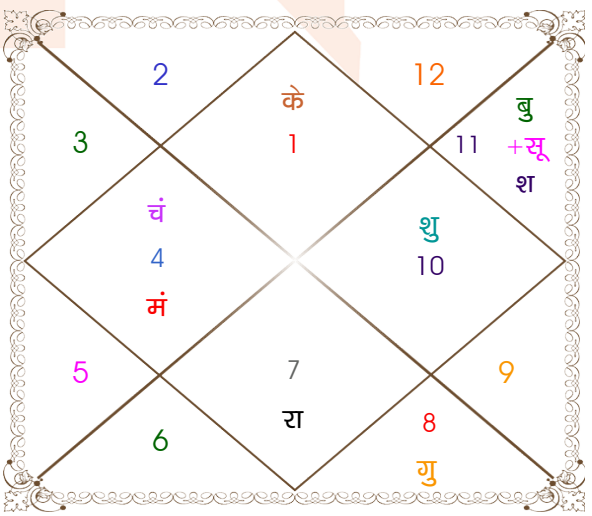

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | क्षत्रिय | विप्र | 1 | 0.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | चतुष्पाद | जलचर | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | क्षेम | वध | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | गज | मेष | 4 | 3.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | मंगल | चन्द्र | 5 | 4.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | मनुष्य | देव | 6 | 5.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | मेष | कर्क | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | मध्य | मध्य | 8 | 0.00 | हाँ | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 21.50 | | |

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms. का नक्षत्र पुष्य है।

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान औसत है।

## मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

**चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।**
**कुजदोषो न विद्यते।।**

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।**

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।**
**न मंगली मंगल राहु योग।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Ms. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।